एम.ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

पहला-अंक सेमेस्टर प्रथम

प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा इसमें 70 अंक सत्रांत परीक्षा व 30 अंक आंतरिक मूल्यांकन का होगा।

HN 102 CC-1 पहला प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 5

भाषा व लिपि: उद्भव एवं विकास

भाषा : परिभाषा, तत्व/अंग, अभिलक्षण

भाषा विज्ञान: परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, अध्ययन की दिशाएँ

भाषोत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा-परिवर्तन के कारण

ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

लिपि का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, मानकीकरण

हिन्दी भाषा की उद्भव की आधार: अपभ्रंश, अवहट्ठ, पुरानी हिन्दी

हिन्दी भाषा का विकास: अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास

खड़ी बोली हिन्दी के साहित्यिक रूपों का विकास : दक्खनी, उर्दू और हिन्दी

19वीं सदी का हिन्दी आंदोलन और हिन्दी भाषा के स्वरूप का प्रश्न

हिन्दी का मानकीकरण

स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी

स्वतंत्र भारत की राजभाषा और हिन्दी

राष्ट्रभाषा और हिन्दी की स्थिति

आज की हिन्दी

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

2. भोलानाथ तिवारी– भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद

3. बाबूराम सक्सेना– सामान्य भाषा विज्ञान हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

4. उदयनारायण तिवारी– हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, भारती भंडार, इलाहाबाद

5. सत्य नारायण तिवारी– हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास

6. अनन्त चौधरी (सं0)– नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय

7. रामविलास शर्मा– भारत की समस्या, राजकमल प्रकाशन

" " – भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन

8. भोलानाथ तिवारी– हिन्दी भाषा

9. देवेन्द्रनाथ शर्मा– राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान

10. चंद्रधर शर्मा – पुरानी हिन्दी, काशी ना0 प्र0 सभा, 1948

11. रामचंद्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास, काशी ना0 प्र0 सभा, सं0 2036

12. किशोरीदास वाजपेयी– हिन्दी शब्दानुशासन, ना0 प्र0 सभा, काशी, सं0 2033

13. नामवर सिंह – हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद, 1932

14. सुनीति कुमार चटर्जी– भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी, राजकमल, दिल्ली–1957

15. श्रीराम शर्मा– दक्खिनी का गद्य और पद्य, हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद, 1954

16. डॉ0 शितिकंठ मिश्र– खड़ी बोली आन्दोलन, ना0 प्र0 सभा, काशी, सं0 2013

17. अयोध्याप्रसाद खत्री स्मारक– (बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्), पटना 1960

18. राहुल सांकृत्यायन– मातृभाषाओं का प्रश्न (निबंध) (साहित्य निबंधावली)

क. 'राहुल निबंधावली' में दिल्ली, पी.पी.एच. 1980– हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों का निर्माण (निबंध) आचार्य रघुवीर का परिभाषा निर्माण सिद्धांत

ख. 'क्या करें' में, प्रयाग, 1939 – ख. हिन्दी साहित्य पर एक दृष्टि (निबन्ध)

19. डॉ0 धर्मवीर– हिन्दी की आत्मा, दिल्ली, समता प्रकाशन, 1987

20. अमृत राय– ए हाउस डिवाइडेड (ओ.यू.पी.), 1991

21. क्रिस्टोफर आर.किंग– वन लैंग्वेज, टू स्क्रिप्ट्स, दी हिन्दी मूवमेंट इन नाइन्टींथ सेंचुरी नार्थ इंडिया, ओ.यू.पी. मुम्बई, 1994

22. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन

22. वसुधा डालमिया – नेशनलाइजेशन ऑफ हिन्दू ट्रेडीशन भारतेन्दु हरिश्चंद्र एण्ड नाइन्टीन्थ सेंचुरी बनारस ओ. यू. पी. दिल्ली, 1997

23. डॉ० इकबाल अहमद– दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1968

24. राहुल सांकृत्यायन– दक्खिनी हिन्दी काव्यधारा, बिहार, राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1959

25. पॉल आर. ब्रास– लैंग्वेज, रिलीजियन एण्ड पॉलिटिक्स इन नार्थ इंडिया, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी, प्रेस, 1974

26. मीर भावल ललवाल– रत्नावली, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 2002

27. मीर अम्मन– बागो–बहार, सारांश प्रकाशन, दिल्ली, 1966

28. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य (1850–1900) लोक भारती, इलाहाबाद, 1996

29. डॉ० श्रीराम शर्मा: दक्खिनी हिन्दी का उद्भव और विकास, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1964

♣♣♣♣♣

HIN 102 CC-2 हिन्दी ~~दूसरा~~ प्रश्न पत्र

क्रेडिट : ~~4~~ 5

3×10 = 30 (आलोचनात्मक)
4×5 = 20 (लघु उत्तरीय)
10×2 = 20 (वस्तुनिष्ठ)
70

इतिहास दर्शन, साहित्येतिहासदर्शन व हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परंपरा

इतिहास ~~[illegible]~~ और इतिहास–दृष्टि

इतिहास–दृष्टि और साहित्येतिहास ~~[illegible]~~ दृष्टि

~~इतिहास दर्शन और साहित्यिक इतिहास~~

साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत : विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ ~~और विभिन्न इतिहास दृष्टियाँ~~

काल–विभाजन का आधार

साहित्यिक प्रवृत्तियों का अंतस्संबंध

सामाजिक परिवेश और सांस्कृतिक परंपरा व संदर्भ

इतिहास और आलोचना

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

✗ ~~उत्तर-आधुनिकतावाद, नव इतिहासवाद, साहित्येतिहास का भविष्यवादी परिप्रेक्ष्य~~

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. ई. एच.कार – इतिहास क्या है?
2. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास दर्शन
3. हीगेल– फिलासफी ऑफ हिस्ट्री
4. रामविलास शर्मा– इतिहासदर्शन
5. आर.कलिंगवुड– द आइडिया ऑफ हिस्ट्री
6. आर.कलिंगवुड– हिस्टारिकल इमैजिनेशन
7. जे0 बर्कहार्ड– जजमेंट ऑन हिस्ट्री एंड हिस्टोरियन
8. श्याम ~~[illegible]~~ कश्यप (सं०) – हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की समस्याएँ, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

9. एच.बटरफील्ड– द व्हिग इंटरप्रेटेशन ऑफ हिस्ट्री

10. बट्रेंड रसेल– पोर्ट्रेट्स ऑफ हिस्ट्री

11. ऐक्टन– हिस्टोरिकल एसेज एंड स्टडीज

12. एम०सी०डी० आर्सी– दि सेंस ऑफ हिस्ट्री: सेकुलर एंड सैक्रेड

13. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास

14. डॉ० नगेन्द्र (सं.)– हिन्दी साहित्य का इतिहास

15. ह० प्र० द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका

    " " – हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास

16. सुधीश पचौरी– उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद

17. गोपीचंद नारंग– संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र

18. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि

♣♣♣♣♣

HN 303 CC-3 तीसरा प्रश्न पत्र

3x10=30
4x5=20
10x2=20
70

क्रेडिट : 5

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्य का आरंभ : कब और कैसे? पूर्ववर्ती साहित्यिक परंपराएँ, ~~आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ~~, आदिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

- भक्ति आंदोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक ~~आधार, सामाजिक-सांस्कृतिक~~ पृष्ठभूमि, दार्शनिक आधार, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतःप्रादेशिक वैशिष्ट्य, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण

- ~~सगुण और~~ निर्गुण भक्ति का सामाजिक आधार, प्रमुख ~~सगुण~~ निर्गुण कवि और उनकी रचनाओं में समकालीन समाज का चित्र, भारत में सूफी मत का उदय और विकास, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत, संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ

- सगुण ~~और निर्गुण~~ भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ, ~~संतकाव्य की सामान्य विशेषताएँ, सूफी काव्य की सामान्य विशेषताएँ~~, कृष्ण काव्य की सामान्य विशेषताएँ, रामकाव्य की सामान्य विशेषताएँ

- रीतिकाल और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य, रीतिकाल की विभिन्न काव्यधाराएँ– रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त, प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी– हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– हिंदी साहित्य का अतीत (भाग– एक), वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी।
6. डॉ० नगेन्द्र (सं०), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद।
8. नलिन विलोचन शर्मा– साहित्य का इतिहास–दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
9. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. मैनेजर पांडेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन दिल्ली।

11. अवधेश प्रधान– हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

12. प्रो० एहतेशाम हुसैन– उर्दू साहित्य का इतिहास, अंजुमन तरक्की–ए–उर्दू, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।

13. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास

14. डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ० शिवप्रसाद सिंह– साहित्यिक निबंध

15. डॉ० शंभुनाथ शुक्ल– आदिकालीन हिन्दी साहित्य

16. डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर–वाङ्मय : रमैनी

17. डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर–वाङ्मय : सबद

18. डॉ० जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह– कबीर–वाङ्मय : साखी

19. डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय– गोरखनाथ: नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में

20. डॉ० वासुदेव सिंह– हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन

21. आचार्य रामचन्द्र तिवारी – मध्ययुगीन काव्य साधना

22. डॉ० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय– बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य

23. डॉ० शिवनारायण सिंह– रीतिकालीन वीर–काव्यों का सांस्कृतिक अध्ययन

24. शिव कुमार मिश्र– भक्तिकाव्य और लोकजीवन

25. के. दामोदरन– भारतीय चिंतन परंपरा

26. प्रेमशंकर– भक्तिकाव्य की भूमिका

27. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

♣♣♣♣♣

HN 104 चौथा प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 5

आरंभिक हिन्दी कविता

चंदवरदाई– पृथ्वीराज रासो, सं० ह० प्र० द्विवेदी एवं नामवर सिंह

अब्दुर्रहमान– संदेश रासक, सं० हजा० द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी

~~जायसी– पद्मावत, सं० वासुदेवशरण अग्रवाल (नागमती सुआ खंड, नागमती वियोग खंड, पद्मावती–नागमती सती खंड)~~

विद्यापति– विद्यापति की पदावली, सं० रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

कीर्तिलता, सं० वीरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अनुमोदित पुस्तक–सूची

1. पृथ्वीराज रासो, सं० हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. पृथ्वीराज रासो की भाषा, नामवर सिंह
4. पृथ्वीराज रासो, सं० माता प्रसाद गुप्त
5. विद्यापति, शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
6. कीर्तिलता और विद्यापति का युग, अवधेश प्रधान, वि० वि० प्रकाशन, वाराणसी
7. जायसी ग्रंथावली, भूमिका, सं० रामचन्द्र शुक्ल
8. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
9. चंदवरदाई, [illegible] सिंह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
10. पद्मावत, सं० माताप्रसाद गुप्त
11. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय, पीताम्बर बड़थ्वाल
12. **Mithila in age of Vidyapati, Radha Krishna Chaudhary Varanasi,** 1976
13. मध्ययुगीन प्रेमाख्यानक काव्य, नित्यानंद तिवारी
14. हिन्दी काव्य की निर्गुणधारा में भक्ति, श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
15. सूफीमत : साधना और साहित्य, रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी

♣♣♣♣♣

HIN 804 CC-5

पंचम प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 05

द्वितीय सत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (भारतेन्दु युग से अद्यतन तक)

- सन् 1857 की क्रांति और हिन्दी प्रदेश का नवजागरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण व नवजागरण का संबंध- भारतेन्दु हरिश्चंद्र और उनका मंडल,

- भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, खड़ी बोली हिन्दी गद्य का विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज और ईस्ट इंडिया की भाषा नीति, 19वीं सदी में हिन्दी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ, भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिन्दी नवजागरण, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

  हिन्दी में आधुनिक गद्य विधाओं का उदय एवं विकास: आलोचना, निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा-वृत्तांत, संस्मरण आदि।

- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी पर उसका प्रभाव– हिन्दी में स्वच्छंदतावादी प्रवृत्ति का उदय, विकास और छायावाद

- प्रगतिशील आंदोलन और हिन्दी साहित्य, प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य, देश विभाजन और साहित्य, कविता और नई कविता

- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में वैचारिक द्वंद्व– व्यक्ति और समाज, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, समाजवाद आदि

- आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार, नई कहानी आंदोलन और उसके बाद की कहानी, नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नए प्रयोग, हिन्दी आलोचना का विकास

- उत्तरछायावाद, नवगीत, समकालीन कविता

- समकालीन हिन्दी साहित्य– समकालीन हिन्दी साहित्य–कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक आदि में नई प्रवृत्तियों का उदय, साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका आंदोलन, हिन्दी साहित्य में स्त्री–लेखन, दलित-लेखन

- हिन्दी में प्रवासी साहित्य का इतिहास

- आधुनिक हिन्दी साहित्य के विकास में संस्थाओं की भूमिका

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. रामचन्द्र शुक्ल– हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. ह0प्र0 द्विवेदी– हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास
3. वि0 प्र0 मिश्र– हिन्दी साहित्य का अतीत, दो भाग
4. मैनेजर पाण्डेय – भक्ति आंदोलन और सूरदास, दिल्ली, 1994
5. रामविलास शर्मा– भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1984
6. मैनेजर पाण्डेय– साहित्य और इतिहास दृष्टि, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली, 1981
7. नंददुलारे वाजपेयी– हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती, इलाहाबा, 1983
8. विश्वनाथ त्रिपाठी– हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, एन.सी.ई. आर.टी. दिल्ली, 1986
9. रामस्वरूप चतुर्वेदी– हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986
10. नामवर सिंह– कविता के नये प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1968
11. देवीशंकर अवस्थी: विवेक के रंग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965
12. ओमप्रकाश वाल्मीकि: दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2001
13. राजेन्द्र यादव/अर्चना वर्मा, सं.– अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2001
14. महादेवी वर्मा– श्रृंखला की कड़ियाँ, भारती भण्डार इलाहाबाद, 1958
15. बच्चन सिंह– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1996
16. श्यौराज सिंह बेचैन, देवेन्द्र चौबे, सं0– चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य : नवलेखन प्रकाशन, हजारीबाग और रमणिका फाउण्डेशन, दिल्ली, 2001
17. S.C. Malik (Ed.) - Indian Documents : Some Aspects of Dissent Protest and Reform, Shimla, 1978
18. Savitri Chandra- Social Life and Concepts in Medieval Hindi Bhakti Poetry, Meerut, 1983.
19. विजयेन्द्र स्नातक– हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1996
20. देवेन्द्र चौबे– आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श, ओरियंट ब्लैकस्वान, दिल्ली, 2009

21. दीपक कुमार, देवेन्द्र चौबे सं.– हाशिये का वृत्तांत : स्त्री दलित और आदिवासी समाज का वैकल्पिक इतिहास, आधार प्रकाशन, पंचकूला, 2011

22. सुमन राजे– हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास

23. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय– आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास

24. नामवर सिंह– इतिहास और आलोचना

" " – छायावाद

" " – आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ

25. रामचन्द्र तिवारी– हिन्दी का गद्य साहित्य

" " – आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम

26. रामस्वरूप चतुर्वेदी– गद्य साहित्य : विकास और विन्यास

♣♣♣♣♣

MHN 202 CC-6   अध्ययन पत्र

क्रेडिट

मध्यकालीन हिन्दी कविता (कबीर, सूर, तुलसी, मीरा, रैदास, बिहारी और घनानंद)

कबीर– ह० प्र० द्विवेदी कृत 'कबीर', राजकमल, नई दिल्ली (छंद क्रम सं० 207 से अंत तक)

सूरदास– भ्रमरगीत सार, सं० रामचन्द्र शुक्ल

(पद सं० 1, 2, 8, 13, 16, 17, 19, 21, 30, 33, 38, 40, 42, 47, 64, 76, 86, 89, 96, 97, 121, 138, 140, 210, 211, 316, 366, 384, 400 कुल 30 पद) (15 पद)

तुलसीदास – रामचरित मानस (बालकांड– आरंभ से 37 वें दोहे तक)

(अयोध्या कांड– 100वें दोहे से अंत तक)

मीरा– मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

(पद: मन थें परस हरि रे चरण, सुनक हरि, आली री म्हारे नैणां बाण पड़ी, म्हाँ गिरधर आगाँ नाच्या री, म्हारा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग राची, मैं गिरधर के घर जाऊं, माई री म्हा, लियां गोविंदा मोल, माई म्हारो सुपणा मां, थे म्हां आवां आवड़ी, नहि सुख भावै थांरो देसलड़ो रंगरूड़ो, राणाजी म्हाने या बदनामी लागे मीठी, पग बांध घूँघरया णाच्याँ री, राणाजी थे जहर दियो म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हो)

रैदास– संत काव्य संग्रह सं० परशुराम चतुर्वेदी, नया संस्करण किताब महल, इलाहाबाद (रैदास सम्पूर्ण)

बिहारी– बिहारी रत्नाकर सं० जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

(दोहा सं० 1, 2, 13, 20, 25, 32, 34, 35, 38, 41, 46, 51, 55, 61, 70, 73, 88, 94, 101, 141, 181, 190, 191, 192, 201, 228, 261, 300, 318, 322, 331, 357, 363, 388, 396, 420, 437, 486, 496, 652, 677, 689 (कुल 42 दोहे) (कुल 20 दोहे)

घनानंद– स्वर्ण मंजूषा, सं. नलिन विलोचन शर्मा एवं केसरी कुमार

(छंद सं० 1, 2, 8, 9, 14, 15, 16, 18, 21 एवं 22)

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. ह० प्र० द्विवेदी– कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. रघुवंश– कबीर एक नई दृष्टि, इलाहाबाद नई दिल्ली
3. पुरुषोत्तम अग्रवाल– अकथ कहानी प्रेम की, राजकमल नई दिल्ली
4. डॉ० धर्मवीर – कबीर के आलोचक
5. संत कवि रैदास– सं० डॉ० कुमार ... दिल्ली

5. रामचन्द्र शुक्ल– सूरदास

6. रामचन्द्र शुक्ल– गोस्वामी तुलसीदास

7. विश्वनाथ त्रिपाठी– लोकवादी तुलसीदास

8. ह0प्र0 द्विवेदी– सूर साहित्य

9. हरवंश लाल शर्मा– सूर और उनका साहित्य

10. नंद दुलारे वाजपेयी– महाकवि सूरदास, अलीगढ़

11. मैनेजर पांडेय– भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, नई दिल्ली

12. प्रेमशंकर– रामकाव्य और तुलसी

13. विश्वनाथ त्रिपाठी– मीरा का काव्य

14. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– बिहारी, वाराणसी

15. बच्चन सिंह– बिहारी का नया मूल्यांकन

16. मनोहर लाल गौड़– घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा

17. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– घनानंद कवित्त, वाराणसी

18. ज्योतिकर शर्मा– शृंगारी रीतिमुक्त काव्य में प्रतिरोधित

19. इमरे बंगा– घनानंद

♣♣♣♣♣

MHN 203 CC-7

~~सातवाँ~~ प्रश्न पत्र

क्रेडिट 05

संस्कृत साहित्य का इतिहास

~~आर्ष महाकाव्यों का परिचय~~

~~आर्ष महाकाव्यों का पूर्वापर क्रम~~

संस्कृत महाकाव्य

संस्कृत गीतिकाव्य

संस्कृत नाटक

संस्कृत गद्यकाव्य

पाठ्य–पुस्तक– मेघदूत (पूर्वमेघ) 10 छन्द

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ॰ वाचस्पति गैरोला, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास– राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत कवियों का रचना–संसार– जयशंकर त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. संस्कृत सुकवि समीक्षा– बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा, वाराणसी
5. संस्कृत नाटककार– कान्ति किशोर भरतिया, हिन्दी समिति, लखनऊ
6. मेघदूत: एक पुरानी कहानी– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

♣♣♣♣♣

क्रेडिट : 5

अस्मितामूलक विमर्श

अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत, अस्मिता-निर्माण की प्रक्रिया और प्रकृति

स्मृति, इतिहास और अस्मिता

अस्मिता और सत्ता

धर्म और अस्मिता

अस्मिता और राष्ट्र

भूमंडलीकरण और अस्मिता

व्यक्ति-अस्मिता और सामूहिक अस्मिता

हाशिए की अस्मिताएँ

अल्पसंख्यक अस्मिताएँ

जेंडर की अवधारणा और स्त्रीवादी चिंतकों की अवधारणाएँ

जेंडर अस्मिता, यौन-अस्मिता और सत्ता

जेंडर, भाषा और साहित्य

अंबेडकर और परवर्ती दलित विचारक

दलित आंदोलन और दलित साहित्य

दलित साहित्य और भाषा

पाठ– दलित कविताएँ– हीराडोम, बिहारी लाल हरित, निर्मला पुतुल, डॉ. दयानंद बटोही और बलदेव प्रसाद श्रीवास्तव

दलित कहानियाँ– चतुरी चमार (निराला), कहीं धूप कहीं छाया (बेनीपुरी), विरामचिन्ह (प्रसाद), सौभाग्य के कोड़े (प्रेमचंद), कर्ज (मोहनदास नैमिशराय), सलाम (ओमप्रकाश वाल्मीकि) जाति (जयप्रकाश कर्दम)

दलित उपन्यास– वीरांगना झलकारी बाई (मोहनदास नैमिशराय), उधर के लोग (अजय नावरिया)

दलित आत्मकथाएँ– जूठन (ओम प्रकाश वाल्मीकि), मुर्दहिया (डॉ. तुलसी राम)

स्त्री आत्मकथाएँ– अन्या से अनन्या (प्रभा खेतान), कस्तूरी कुंडल बसै (मैत्रेयी पुष्पा)

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. M.Melluci - New social movements : A Theoritical Approach
2. T.S. Kuhn (Ed.)- The Kristieva Reader
3. Beverly Skeggs- Feminist Cultural theory process and production
4. Sylvia Walby- The Originating Patriarchy
5. Tony Rosemery- Feminist Thought : A Comprehensive introduction
6. Mary Wollstone craft- A vindication of the Rights of Women.
7. J.S. Mill- The Subjection of Women.
8. डॉ0 भीमराव अम्बेडकर– अम्बेडकर समग्र, भारत सरकार का प्रकाशन
9. ज्योतिबा फुले– ज्योतिबा फुले समग्र
10. अभय कु0 दुबे (सं0)– आधुनिकता के आईने में दलित
11. सिमोन द बोउवा– स्त्री उपेक्षिता (अनु0 प्रभा खेतान)
12. महादेवी वर्मा– शृंखला की कड़ियाँ
13. डॉ0 शरण कु0 लिंबाले– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. ओम प्रकाश वाल्मीकि– दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र
15. कंवल भारती– दलित विमर्श की भूमिका
16. साधना आर्य (सं0)– नारीवादी राजनीति : संघर्ष और मुद्दे व जिनी लोकनीता
17. सदानंद शाही (सं0)– दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद
18. प्रभा खेतान– उपनिवेश में स्त्री

♣♣♣♣♣

HIN 304

~~नौवां प्रश्न~~ पत्र

क्रेडिट :

~~तृतीय~~ सत्र

उपन्यास

~~भारतीय भाषाओं में उपन्यास के उदय की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि~~

भारतीय आख्यान परंपरा और उपन्यास

उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– सुधारवादी आख्यान, अद्भुत कथा, ऐतिहासिक उपन्यास–दास्तान और किस्सा, यथार्थवाद का आरंभ

बीसवीं सदी का पूर्वार्द्ध और भारतीय उपन्यास की विशिष्ट पहचान

स्वाधीनता संग्राम ~~की भूमिका~~ और हिन्दी उपन्यास (विशेषकर प्रेमचंद)

भारतीय उपन्यास चिंतन, हिंदी उपन्यास चिंतन

उपन्यास और राष्ट्र

उपन्यास और मध्यवर्ग

व्यक्ति और उपन्यास

अंचल, गांव, शहर और उपन्यास

देश का विभाजन और उपन्यास

अस्मितागत उपन्यास

पाठ– प्रेमचंद (गोदान), जैनेन्द्र (त्यागपत्र), ह0 प्र0 द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा), फणीश्वरनाथ रेणु (मैला आँचल), नागार्जुन (वरुण के बेटे), अज्ञेय (नदी के द्वीप), भीष्म साहनी (तमस), श्रीलाल शुक्ल (राग दरबारी), मैत्रेयी पुष्पा (इदन्नमम), अनामिका (~~दस द्वारे~~ का पींजरा)

अनुमोदित ग्रंथ–

1. विश्वनाथ काशीनाथ राजवाडे– 'उपन्यास', आलोचना 69, (जनवरी– मार्च 1986)
2. जॉर्ज लुकाच– उपन्यास का सिद्धांत
3. रैल्फ फॉक्स– उपन्यास और लोक जीवन
4. गोपाल राय– हिन्दी उपन्यास का इतिहास
5. इन्द्रनाथ मदान– आज का हिन्दी उपन्यास

इन्द्रनाथ मदान– हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख

6. राजेन्द्र यादव– उपन्यास : स्वरूप और संवेदना

7. रामदरश मिश्र– हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा

8. परमानंद श्रीवास्तव– उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा

9. मीनाक्षी मुखर्जी– रियलिज्म एंड रियलिटी : नॉवेल एंड सोसायटी इन इंडिया

10. शिव कुमार मिश्र– यथार्थवाद

11. रामविलास शर्मा– प्रेमचंद और उनका युग

12. नित्यानंद तिवारी– हिन्दी उपन्यास (1950 के बाद)

13. सीताराम झा 'श्याम' – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी उपन्यास

14. नेमिचन्द जैन– अधूरे साक्षात्कार

15. ज्ञानचंद जैन– प्रेमचंद पूर्व के हिन्दी उपन्यास

16. टी.डब्ल्यू. क्लार्क (सं.) – द नॉवेल इन इंडिया, लंदन 1970

17. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र– आंचलिकता की कला और कथा साहित्य

18. नन्द दुलारे वाजपेयी– प्रेमचंद: एक साहित्यिक विवेचन

19. चंद्रकांत बांदिवडेकर– जैनेन्द्र के उपन्यास: मर्म की तलाश

20. अशोक वाजपेयी – जैनेन्द्र की आवाज

21. सुवास कुमार– आंचलिकता, यथार्थवाद और रेणु

22. शशिभूषण सिंहल – हिंदी उपन्यास और प्रवृत्तियाँ

23. कमलेश अवस्थी– परंपरा और आधुनिकीकरण

24. गोपाल राय– अज्ञेय और उनके उपन्यास

25. सत्यप्रकाश मिश्र (सं0) – गोदान का महत्व

26. मधुरेश – हिन्दी उपन्यास का विकास

27. विजय मोहन सिंह– कथा समय

28. नन्द किशोर नवल (सं0)– कसौटी (पत्रिका) का समापन अंक बीसवीं सदी : कालजयी कृतियां

29. लूसिएं गोल्डमान– टुवार्डस द सोशियोलोजी ऑफ नॉवेल

सेमेस्टर-तीन

HN 302 CC-10

दशम प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 05

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर – 3×10=30
चार लघु उत्तरीय प्रश्न – 4×5=20
वस्तुनिष्ठ – 10×2=20
= 70

आधुनिक हिन्दी काव्य

खड़ी बोली की कविता में आख्यानपरकता

आधुनिकता और आख्यान काव्य

व्यक्ति और प्रबंध काव्य

राजनीति और काव्य

1. साकेत– मैथिलीशरण गुप्त– लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (व्याख्या हेतु केवल नवम सर्ग)
2. कामायनी– जयशंकर प्रसाद (व्याख्या हेतु केवल श्रद्धा सर्ग)
3. राग विराग– निराला, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति, तोड़ती पत्थर, सम्राट अष्टम एडवर्ड के प्रति)
4. तारापथ– पंत लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (आरंभिक पाँच कविताएँ)
5. सन्धिनी– महादेवी (आरंभिक [illegible] दस गीत)
6. उर्वशी– दिनकर (व्याख्या हेतु केवल तृतीय सर्ग)
7. बच्चन– लहरों का निमंत्रण, निर्माण, तुम गा दो, मौन मधुरी लौटो राजहंसो / युग का जुआ
   प्रतिनिधि कविताएँ– राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. नेपाली– परिचय, भाई बहन, छवि, विश्व सुन्दरी, नवीन कल्पना करो, मेरा धन है स्वाधीन कलम
   प्रतिनिधि कविताएँ– राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. धूमिल की श्रेष्ठ कविताएँ– डॉ० ब्रजदेव मिश्र, शिव कुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
   ~~अकालदर्शन, शहर का व्याकरण~~, मोचीराम और पटकथा।
10. आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री– मैं गाऊँ तेरा मन्त्र समझ, बाँसुरी, बादल राग, [illegible] राग (प्रणय पर्व का प्रारम्भ)
    उत्तर पुरुष– अभिधा प्रकाशन, मुज०
    (इनमें से किसी एक [illegible] का अध्ययन-अध्यापन अपेक्षित है)

अनुमोदित ग्रंथ–

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास– डॉ० नन्दकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. कामायनी सौन्दर्य– फतह सिंह, भारती भण्डार, इलाहाबाद
3. दिनकर रचनावली – डॉ. नंदकिशोर नवल एवं डॉ. तरुण कुमार – लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद

3. कामायनी परिशीलन– सं० नन्द किशोर नवल, अनुपम प्रकाशन, पटना।

4. कामायनी लोचन– डॉ० उदय भानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

5. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त और साकेत– प्रो० सूर्य प्रसाद दीक्षित, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली।

6. मैथिलीशरण – डॉ० नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

7. छायावाद– डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली

8. प्रसाद का काव्य– डॉ० प्रेमशंकर, राधाकृष्ण

9. निराला की साहित्य साधना (दूसरा भाग) – डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

10. निराला कृति से साक्षात्कार– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

11. निराला : आत्महन्ता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

12. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा – रेखा खरे लोकभारती

13. काव्य विमर्श : निराला – डॉ० रेवती रमण, जवाहर पब्लिशर्स ऐन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।

14. आधुनिक हिन्दी कविता– डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी लोकभारती।

15. महीयसी महादेवी– गंगा प्रसाद पाण्डेय, लोकभारती

16. महादेवी– इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

17. जयशंकर प्रसाद– रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादेमी

18. निराला– परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादेमी

19. सुमित्रानन्दन पंत– कृष्ण दत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी

21. मैथिलीशरण गुप्त– रेवती रमण, साहित्य अकादेमी

22. दिनकर– विजेन्द्र नारायण सिंह, साहित्य अकादेमी

23. दिनकर– सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण

24. उर्वशी: उपलब्धि और सीमा, विजेन्द्र नारायण सिंह, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद

25. उर्वशी: विचार और विश्लेषण– सं० डॉ० वचनदेव कुमार नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

26. दिनकर– अर्धनारीश्वर कवि– नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

27. दिनकर की साहित्य साधना– सं० सतीश कुमार राय, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

28. कवि अज्ञेय– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन

29. निराला की [illegible] और [illegible], डॉ० [illegible], [illegible] प्रकाशन, दिल्ली

29. अज्ञेय– सं0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

30. नेपाली : चिन्तन–अनुचिन्तन सं0 सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

31. राधा– आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

32. हरिवंश राय बच्चन– टण्डन, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

33. गोपाल सिंह नेपाली– सतीश कुमार राय, मिलाप पब्लिकेशन, मुजफ्फरपुर

♣♣♣♣♣

HN 303-CC-11

ग्यारहवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट 05

3×10=30
4×5=20
[illegible]10×2=20
70

पत्रकारिता मीडिया एवं जनसंचार

1. पत्रकारिता– परिभाषा, स्वरूप एवं भेद
2. समकालीन हिन्दी मीडिया– प्रिन्ट मीडिया प्रमुख पत्र एवं पत्रिकाएँ

   इलेक्ट्रानिक मीडिया– रेडियो, टेलिविजन, फिल्म, इन्टरनेट
3. जनसंचार– स्वरूप एवं भेद
4. मीडिया लेखन– समाचार, फीचर, साक्षात्कार, रिपोर्ताज
5. प्रमुख पत्रकार– भारतेन्दु, मदन मोहन मालवीय, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, प्रेमचन्द, शिवपूजन सहाय, रामवृक्ष बेनीपुरी, माखनलाल चतुर्वेदी, बनारसी दास चतुर्वेदी, अज्ञेय, धर्मवीर भारती, राजेन्द्र माथुर, बाबूराव विष्णु पराड़कर, प्रभाष जोशी
6. मीडिया के विभाग– सम्पादक विभाग, संवादन विभाग, प्रबन्धन विभाग
7. पारिभाषिक शब्दावली– ऐड, बीट, ब्लोअप, ब्यूरो, कैप्शन, कवर स्टोरी, इन्ट्रो, रिलीज, इनसाइड स्टोरी, क्लोजअप, लीड।

अनुमोदित ग्रंथ–

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास– अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. टेलीविजन की कहानी– श्याम कश्यप, मुकेश कुमार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. सिर्फ पत्रकारिता– अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता– अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी पत्रकारिता के प्रतिमान– डॉ0 सतीश कुमार राय, लोकभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद
6. संचार के मूल सिद्धान्त– प्रो0 ओम प्रकाश सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. जनसंचार– सं0 राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
8. रेडियो प्रसारण– कौशल शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
9. संचारभाषा हिन्दी– सूर्यकुमार दीक्षित, लोकभारतीय प्रकाशन, दिल्ली।
10. पत्रकारिता हेतु लेखन– डॉ0 निशान्त सिंह, अर्चना पब्लिकेशन, दिल्ली
11. मीडिया लेखन: सिद्धान्त और प्रयोग– मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
12. भारतीय स्वतंत्रता और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. [illegible], बिहार ग्रन्थ कुटीर, पटना

12 a. पत्रकारिता के विविध संदर्भ – डॉ० [illegible], अनुपम प्रकाशन, पटना

12. भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया– डॉ० देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

13. वेब पत्रकारिता नया मीडिया नये रुझान– शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

14. न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ, सं० आर० अनुराधा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

15. मीडिया की खबर– अरविन्द मोहन, शिल्पायन, दिल्ली।

16. योद्धा पत्रकार– हेमंत, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

17. समकालीन हिन्दी मीडिया– सं० विजय दत्त श्रीधर, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

18. पत्रकार प्रेमचन्द– डॉ० सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

19. सामयिक मीडिया शब्दकोश– हर्षदेव, सामयिक प्रकाशन दिल्ली।

20. भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता – डॉ० [illegible], अनुपम प्रकाशन, [illegible]

♣♣♣♣♣

[illegible] 10/5/18 [illegible] 10-5-18 [illegible] 10-5-18 [illegible] 10/5/2018 [illegible] 10/5/2018

हिन्दी पत्रकारिता और [illegible] – [illegible], नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

HN 304

बारहवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 05

चौथा-सत्र

उर्दू साहित्य

1. उर्दू भाषा : उद्भव और विकास
2. उर्दू काव्य रूपों का परिचय– मसनवी, गजल, नज्म, रूबाई, कसीदा, मर्सिया
3. ~~उर्दू काव्य – विशेषतः गजल, नज्म, कसीदा और मसनवी का विकास~~
4. उर्दू कहानी
5. उर्दू नाटक
6. उर्दू आलोचक
7. उर्दू पत्रकारिता

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. उर्दू भाषा और साहित्य– रघुपति सहाय फिराक गोरखपुरी, हिन्दी–समिति, लखनऊ
2. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– एहतेशाम हुसैन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. उर्दू शायरी : आजादी के बाद– जाफर रजा, लोक भारती
4. उर्दू कविता का विकास– कृष्णानन्द लाल, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
5. उर्दू साहित्य कोश– कमल नसीम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

बांग्ला साहित्य

1. बांग्ला भाषा : उद्भव और विकास
2. प्रारम्भिक बांग्ला काव्य
3. मध्यकालीन बांग्ला काव्य (विशेषतः चैतन्य, चण्डीदास, कृत्तिवास ओझा)
4. आधुनिक बांग्ला काव्य– विशेषतः बिहारी लाल चक्रवर्ती, माइकेल मधुसूदन दत्त, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, काजी नजरूल इस्लाम, जीवनानन्द दास, विष्णु दे, बुद्धदेव बसु, सुनील गंगोपाध्याय और शंख घोष
5. आधुनिक बांग्ला कहानी– विशेषतः रवीन्द्रनाथ ठाकुर, शरतचन्द्र, विभूतिभूषण बन्द्योपाध्याय, ताराशंकर बन्द्योपाध्याय, आशापूर्णा देवी

6. बांग्ला उपन्यास– विशेषतः– बंकिमचन्द्र चटर्जी, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, शरतचन्द्र, ताराशंकर बन्द्योपाध्याय, विमल मित्र, गजेन्द्र कुमार मित्र, महाश्वेता देवी, माणिक बन्द्योपाध्याय

7. बांग्ला नाटक और रंगमंच का विकास

अनुमोदित ग्रंथ–

1. बांग्ला साहित्य का इतिहास– डॉ० सुकुमार सेन, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

2. बांग्ला साहित्य का इतिहास– डॉ० सत्येन्द्र, हिन्दी–समिति, लखनऊ

3. रवीन्द्रनाथ ठाकुर– शिशिर कुमार घोष, हिन्दी अनुवाद– अनामिका, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

4. माणिक बन्द्योपाध्याय– सरोज मोहन मित्र, अनु– विनोद भारद्वाज साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

5. माइकेल मधुसूदन दत्त– अमलेन्दु बोस, अनु० रामकृष्ण पाण्डेय, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

6. बंकिमचन्द्र चटर्जी– सुबोध चन्द्र सेन गुप्त, अनु० श्रवण कुमार साहित्य अकादेमी, दिल्ली

7. काजी नजरुल इस्लाम– गोपाल हल्दार, अनु० विनोद भारद्वाज साहित्य अकादेमी, दिल्ली

♣♣♣♣♣

HN-4xx CC-13

तेरहवाँ प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 05

चौथा सत्र

समकालीन हिन्दी कविता

1. केदारनाथ अग्रवाल– जनता, जो शिलाएँ तोड़ते हैं, पूंजीपति और श्रमजीवी, धरती, यदि आयेगा डालर, नागार्जुन के बाद आने पर

2. नागार्जुन– प्रतिबद्ध हूँ, बादल को घिरते देखा है, सिन्दूर तिलकित भाल, हरिजन गाथा, प्रेत का बयान, कालिदास

3. त्रिलोचन– फेरीवाला, उस जनपद का कवि हूँ, मैं, तुम्हें नीलमणी ही सुध, चम्पा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती, धूप सुन्दर, नगई महरा

4. मुक्तिबोध– ~~पूंजीवादी समाज के प्रति~~, अंधेरे में, ब्रह्म राक्षस

5. अज्ञेय– असाध्यवीणा, नदी के द्वीप, सम्राज्ञी का नैवेद्य दान, ~~[illegible]~~

6. शमशेर बहादुर सिंह– प्रेम, मुझको भी हूँ नहीं, बात बोलेगी, अमन का राग, एक पीली शाम, सारनाथ की एक शाम

7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – काठ की घंटियाँ, अपनी बिटिया के लिए दो कविताएँ, भेड़िया–2, तुम्हारे लिए, कुआनो नदी, सुहुन और चिड़ियाँ

8. विजयदेव नारायण साही– कौन पुकारता है, लय, कभी नहीं, सुर्ख नाला, संलाप में

9. रघुवीर सहाय– पढ़िए गीता, रामदास, आत्महत्या के विरुद्ध, लोग भूल गये हैं, चेहरा, स्वच्छन्द लेखक

10. कुँवर नारायण – आत्मजयी, भारतीय ज्ञानपीठ

11. केदारनाथ सिंह– बनारस, टूटा हुआ ट्रक, बैल, बाघ

12. धूमिल– मोचीराम, पटकथा, संसद से सड़क तक

13. वि० प्र० तिवारी– बेटियों के विरुद्ध, आरा मशीन, बेहतर दुनिया के लिए, कम्पोट फोन, पुराने, जगह

14. अरुण कमल– अपनी केवल धार, नये इलाके में, उल्लंघन, उत्तर प्रदेश, तुलसी ने संसार, सौन्दर्य

15. मदन कश्यप– रहुनरी, तिलचट्टे, सपने का अंत, दुष्चक्र, नदी संवाद, नीम रोशनी में

अनुमोदित ग्रंथ–

1. केदारनाथ अग्रवाल : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अरुण कमल : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. केदारनाथ सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. वि0 प्र0 तिवारी : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. त्रिलोचन : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
10. रघुवीर सहाय : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मदन कश्यप : कवि ने कहा, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
12. विजयदेव नारायण साही, साखी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. समकालीन हिन्दी कविता– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. कविता का वर्तमान– खगेन्द्र ठाकुर, परिमल, प्रकाशन, इलाहाबाद
15. समकालीन काव्य–यात्रा– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना– नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
17. हिन्दी के प्रगतिशील और समकालीन कवि– डॉ0 रणजीत साहित्य रत्नालय, कानपुर।
18. कविता के नये प्रतिमान– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
19. कविता की जमीन और जमीन की कविता– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
20. नयी कविता और अस्तित्ववाद– राम विलास शर्मा, राजकमल।
21. आधुनिक कवि– विश्वम्भर मानव, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन।
22. आधुनिक कविता यात्रा– रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
23. कविता के तीन दरवाजे– अशोक वाजपेयी, राजकमल
24. कविता का उत्तर जीवन : परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल

25. हिन्दी कविता अभी बिल्कुल अभी, नन्दकिशोर नवल, राजकमल

26. समकालीन हिन्दी कविता– ए. अरविन्दाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

27. अन्धकार का पूरा विजन: अंधेरे में, सं0 निर्मल जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

28. नागार्जुन अंतरंग और सृजनकर्म– सं0 मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, चंचल चौहान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

29. कवि परम्परा की पहचान– हेमन्त कुकरेती, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

30. महाकाव्य से मुक्ति– डॉ0 रेवतीरमण, अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद।

31. त्रिलोचन– रेवतीरमण, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

32. शमशेर बहादुर सिंह– प्रभाकर श्रोत्रिय, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

33. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना– कृष्णदत्त पालीवाल, अकादेमी, दिल्ली।

34. कुँवर नारायण: उपस्थिति– सं0 यतीन्द्र मिश्र, वाणी, प्रकाशन, दिल्ली

♣♣♣♣♣

M HIN 402 C0H4

~~चौदहवाँ प्रश्न~~ पत्र

क्रेडिट : 5

<u>काव्यशास्त्र</u>

भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय

प्रमुख आचार्य और काव्यशास्त्रीय सम्प्रदाय

काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, काव्य रीति, कवि-समय

रस सिद्धांत– रस की अवधारणा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण

ध्वनि सिद्धांत– ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धांत का महत्त्व

प्लेटो– ~~काव्य-दर्शन~~

अरस्तू– अनुकरण– सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी

~~लोंजाइनस– उदात्त की अवधारणा~~

~~विलियम वर्ड्सवर्थ– काव्य सिद्धांत~~

~~मैथ्यू आर्नल्ड– आलोचना– दृष्टि~~

क्रोचे – अभिव्यंजनावाद

इलियट– परंपरा की अवधारणा, निर्वैयक्तिक काव्य का सिद्धांत

आई.ए.रिचर्ड्स– मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत

~~एफ.आर.लीविस– साहित्य में नैतिक बोध के लिए संघर्ष, ईमानदारी और वस्तुपरकता~~

~~आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता और विखंडनवाद~~

~~मार्क्सवादी आलोचना~~

अनुमोदित ग्रंथ–

1. निर्मला जैन, कुसुम बांठिया– पाश्चात्य साहित्य चिंतन
2. गणेश त्र्यंबक देशपांडे– भारतीय साहित्यशास्त्र
3. बलदेव उपाध्याय– संस्कृत आलोचना
4. पी.वी. काणे– हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स, मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली
5. शंकरदेव अवतरे– रस प्रक्रिया

6. डॉ० नगेन्द्र– काव्यशास्त्र की भूमिका

7. राममूर्ति त्रिपाठी– भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज

8. भगीरथ मिश्र– काव्यशास्त्र

9. भोलाशंकर व्यास– ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धान्त

10. राममूर्ति त्रिपाठी– भारतीय काव्य विमर्श

11. आचार्य चण्डिका प्र० शुक्ल– ध्वन्यालोक

12. डॉ० नगेन्द्र– पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

13. सीमोन द बोउवार– स्त्री : उपेक्षिता, अनु० प्रभा खेतान, हिन्द पॉकेट बुक्स

14. जर्मेन ग्रीयर– विद्रोही स्त्री, अनु. मधु बी. जोशी राजकमल प्रकाशन

15. Rene Wellek - History of Modern Criticism 1750-1950.

16. Jonathan Culler- Structuralist Poetics : Structuralism, linguistics and the studyof literature.

- The Pursuit of Signs: Semiotics literation Decoustruction, Routledge ad Kegan.

17. Terry Eagleton- Criticism and society in literary History

- The ideology of Aesthetics, Oxford University Press, London.

18. Edward Said- The word, the text and critic Harvard Uni. press.

19. Tosil Moi - Sexual texual politics: Feminist Literary theory.

20. रामानन्द शुक्ल – रस मीमांसा

– चिंतामणि भाग–1 और 2

21. गोपीचंद नारंग– संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र साहित्य अकादमी, दिल्ली

22. Mery Beth Rose- Gender and Heroism in Early Modern literature, University of Chicago Press.

23. देवेन्द्रनाथ शर्मा — पाश्चात्य काव्यशास्त्र

*****

24. [illegible]

सेमेस्टर–चार

MHN 403 EC-1 (4)

पन्द्रहवाँ प्रश्न पत्र

3×15=45
3×5=15
10×1=10
70

क्रेडिट : 5

साहित्य का समाजशास्त्र और संस्कृतिमूलक अध्ययन

समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की परम्पराएँ : पाश्चात्य और भारतीय

प्रमुख साहित्यिक समाजशास्त्री : इप्पोलित अडोल्फ तेन, लियो लोवेंथल, लूसिएँ गोल्डमान और रेमंड विलियम्स

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ– साहित्य में समाज की खोज, समाज में साहित्य और साहित्यकार की स्थिति, साहित्य और पाठक–समुदाय, लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य और जनसंचार के माध्यम

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख पद्धतियाँ– विधेयवाद, अनुभववाद, संरचनावाद और मार्क्सवाद

साहित्य का संस्कृतिमूलक अध्ययन : भारतीय अवधारणाएँ, धर्म और संस्कृति, जाति और संस्कृति

साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न दृष्टियाँ– प्राच्यवादी दृष्टि, उत्तर औपनिवेशिक दृष्टियाँ

साहित्य के संस्कृतिमूलक अध्ययन की विभिन्न पद्धतियाँ– संरचनावाद (सस्यूर, लेवीस्ट्रास, रोलां बार्थ, अंबर्टोइको), उत्तरसंरचनावाद (देरिदा, लांकां, फूको)

मार्क्सवाद (अल्थूसर, जॉन फिस्के, हेबरमास) स्त्री चिंतन

भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति के रूप और साहित्य

उपभोक्तावादी संस्कृति के विभिन्न रूप और साहित्य

अनुमोदित ग्रंथ–

1. मैनेजर पांडेय– साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका
2. निर्मला जैन (सं.)– साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन
3. पूरनचंद जोशी– परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम
4. **Escarpit Robert - Sociology of literature, London, 1965**
5. **Laurenson, Diana and Swingwood, alanhall- Sociology of literature**
6. **Alam Swingwood - The Novel of Revloution**
7. **Michol Zeraffia - Fictions : The Novel and Social reality**
8. **Raymond Williams - The Long Revolution**

   - Culture and Society

9. Leo lowenthal - Literature and the image of man.

10. रामधारी सिंह दिनकर– संस्कृति के चार अध्याय

11. Louis Althuer - for Marx

12. Ajar Ahmad- In theory

13. Leela Gandhi - Post Colonialism

14. Homi Bhabha (Ed.) Nation and Narration

15. Meenakshi Gigi Durhan and Douglas Kelliner- Media and Cultural studies Keywords.

16. Pramod K. Nayyer - Literary theory today

17. Cumber to Eco- Towards a semiotic inquiry into T.V messages.

*****

HIN 404 ECI (29)

~~सोलहवाँ प्रश्न-पत्र~~

दो प्रश्नोत्तर – 2×15=30
दो व्याख्याएं 2×10=20
दो लघूत्तरी 2×5=10
दस वस्तुनिष्ठ – 10×1=10
70

क्रेडिट : 4 0 5

किसी एक विकल्प का चयन करना होगा

(क) कहानी

कथा, किस्सा और कहानी

लोक कथा और कहानी

शॉर्ट स्टोरी और कहानी

उर्दू कहानी और हिन्दी कहानी

कहानी का विश्व परिदृश्य और हिन्दी कहानी

कहानी और राजनीति

प्रेमचंद पूर्व हिन्दी कहानी

प्रेमचंद और उनके समकालीन

प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियाँ– आंचलिक कहानी, नई कहानी, समानांतर कहानी, अकहानी

समकालीन कहानी

हिन्दी कहानी और दलित स्वर

हिन्दी कहानी और स्त्री स्वर

गांव, शहर और कहानी

पाठ– बंग महिला (दुलाई वाली), किशोरीलाल गोस्वामी (इंदुमती), चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (उसने कहा था), प्रेमचंद (कफन), जयशंकर प्रसाद (ग्राम), राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह (कानों में कंगना), जैनेन्द्र (खेल), अज्ञेय (गैंग्रीन) यशपाल (उत्तमी की माँ), फणीश्वरनाथ रेणु (ठेस), निर्मल वर्मा (परिन्दे) अमरकांत (जिन्दगी और जोंक), मोहन राकेश ( ), भीष्म साहनी (चीफ की दावत), कृष्णा सोबती (मित्रो मरजानी), ज्ञानरंजन (पिता), शेखर जोशी (कोसी का घटवार), काशीनाथ सिंह (अधूरा आदमी), मन्नू भंडारी ( ), सृंजय (कामरेड का कोट), उदयप्रकाश (तिरिछ)

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. जैनेन्द्र कुमार– कहानी : अनुभव और शिल्प, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली, 1973
2. नामवर सिंह– कहानी : नई कहानी, लोकभारती, इलाहाबाद
3. राजेन्द्र यादव– नई कहानी : संवेदना और स्वरूप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

4. धनंजय (सं.) – समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि

5. देवीशंकर अवस्थी (सं.)– नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल दिल्ली, 1966

6. विजयमोहन सिंह– आज की हिन्दी कहानी, राधाकृष्ण प्रकाशन

7. मधुरेश – नई कहानी : पुनर्विचार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

   – हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश, आधार प्रकाशन

8. विश्वनाथ त्रिपाठी– कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, पंचकूला, दिल्ली

9. बलराज पाण्डेय– नई कहानी आंदोलन की भूमिका, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद

10. देवेश ठाकुर– हिन्दी की पहली कहानी, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ

11. देवीशंकर अवस्थी– विवेक के रंग, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

12. नेमिचन्द्र जैन– अधूरे साक्षात्कार

13. नित्यानंद तिवारी– सृजनशीलता का संकट

14. रामदरश मिश्र– हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान

15. राजेन्द्र चौधरी– नई कहानी : प्रकृति और पाठ

16. कमलेश्वर – नई कहानी की भूमिका

17. निर्मल वर्मा– कला का जोखिम

18. मुक्तिबोध– एक साहित्यिक की डायरी

MHINDC-1 लोक–साहित्य

लोक की पुरातत्वशास्त्रीय, एथनोग्राफी, लोक मनोवैज्ञानिक व समाज शास्त्रीय व्याख्या

हिंदी लोक साहित्य : अध्ययन और अनुसंधान की प्रविधि– सर्वेक्षण व संकलन

लोक–साहित्य का अध्ययन, विश्लेषण और मूल्यांकन

भारत में लोक साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान

लोक संस्कृति के अंग और उसकी अभिव्यक्तियाँ– भाषा, साहित्य, संगीत, जीवन–दर्शन

लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मानक भाषा की प्रकृति और स्वरूप, हिन्दी की ग्रामीण बोलियाँ और उनका भाषिक वैशिष्ट्य

लोकगीत, देवीगीत, जन्म संबंधी, संस्कार गीत, विवाह संबंधी, ऋतुगीत, मृत्यु संबंधी गीत, श्रम गीत

साहित्यिक रूप– श्रव्य– लोकगाथा, लोक–आख्यान, पंडवानी, आल्हा आदि

दृश्य– लोक नाट्य– रामलीला, कव्वाली, पनकेत, नौटंकी, स्वांग, ख्याल, बिदेसिया

पाठ– महेन्द्र मिश्र, भिखारी ठाकुर

अनुमोदित ग्रंथ:–

1. पीयूष दहिया (सं०) – लोक
2. पीयूष दहिया (सं०) – लोक का आलोक
3. धीरेन्द्र वर्मा– लोक–साहित्य की भूमिका
4. डॉ० सत्येन्द्र – लोक –साहित्य, विज्ञान
5. जगदीशचन्द्र माथुर– पारंपरिक लोक–नाट्य
6. श्याम परमार– भारतीय लोक–साहित्य
7. मनोहर शर्मा– लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा
8. डॉ० कुंदन लाल उप्रेती– लोक साहित्य के प्रतिमान
9. **Zygment Bauman- culture as pararis**
10. **Any Gazin Schwartz- Archaeology and folklose**
11. **Valdinnis Propp- Theory and history of folklose**
12. **Donna Rosenberg- Folklose, Myths and legends**
13. **S.P.Pandey and Awadhesh kr. Singh- Folk culture in India.**
14. **Syed Abdul latif- An Outline of the cultural history of India.**
15. **Dr. P.C. Muraleemadhavan- Facets of Indian Culture**
16. **Krishna Murthy - Mirrors of India culture**
17. **Kapila Vatsyayan - Traditions of Indian folk dance**
18. **Richman - May Ramayana.**

(क) आधुनिक हिन्दी–साहित्य

आधुनिक, आधुनिकता, आधुनिकीकरण, उत्तर आधुनिकता

लोक से जन का संक्रमण

सांस्कृतिक पूंजी, सांस्कृतिक संस्थान

सांस्कृतिक उत्पादन, आधुनिक कला–रूप

गांव, शहर, समाज और साहित्य

औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा जनक्षेत्र, फोर्ट विलियम कॉलेज, हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागरी प्रचारिणी सभा, हिन्दी की बहसें

भारतेन्दु मंडल, द्विवेदी युग, सरस्वती, छायावाद, राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद विरोध, पश्चिम के विचार आंदोलन का प्रभाव, प्राच्यवाद

प्रगतिशील आंदोलन, राष्ट्रवाद और प्रगतिशीलता के प्रश्न

उत्तर औपनिवेशिक हिन्दी साहित्य

सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत

बहुभाषिकता, बहुसंस्कृतिकता

भारतीय साहित्य की अवधारणा

साहित्य और विचारधारा, साहित्य की सृजन–प्रक्रिया में लेखक और पाठक की विचारधाराओं का द्वन्द्व, साहित्यिक कृतियों की व्याख्या और विचारधारा की समस्या–

संदर्भ पाठ– भारतेन्दु (प्रबोधिनी अंधेर नगरी), प्रेमचंद (रंगभूमि, गोदान) निराला (राम की शक्ति पूजा, तुलसीदास), ह0 प्र0 द्विवेदी (बाणभट्ट की आत्मकथा), रेणु (मैला आँचल) श्रीलाल शुक्ल (राग दरबारी), मनोहरश्याम जोशी (कसप, कुरु–कुरु स्वाहा, हरिया हरक्यूलिस की हैरानी) मैत्रेयी पुष्पा (इदन्नमम, अल्मा कबूतरी, चाक), अलका सरावगी (कलिकथा वाया बाइपास)

अनुमोदित ग्रंथ–

1. रमेश कुंतल मेघ– आधुनिकता और आधुनिकीकरण
2. **Authory J.Cascardi - The subject of Moderrity**
3. **Authory Giddens- The constitution of Society**

   - The consequences of modernity
4. **M.Castells - The city and grassroots**
5. रामविलास शर्मा – भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ
6. रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
7. डॉ0 नगेन्द्र– भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास

8. नित्यानंद तिवारी– आधुनिक साहित्य और इतिहास–बोध

9. रामधारी सिंह दिनकर– संस्कृति के चार अध्याय

10. वसुधा डालमिया– नेशनलाइज़ेशन ऑफ़ हिन्दू ट्रेडिशन भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एंड नाइनटीन्थ सेंचुरी बनारस

11. D.P.Mukerji- Modern Indian Culture: A sociological Study, Bombay, 1948.

12. Raymond William - Marxism and literature

13. Terry Eagleton- Criticism and Ideology

- Ideology: An Introduction.

MHN ECHB(5) (ख) आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

आधुनिक हिन्दी रंगमंच

अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चंद्र

स्कन्द गुप्त, लहरों के राजहंस, कोणार्क (राधाकृष्ण)

कबिरा खड़ा बाजार में भीष्म साहनी

शकुन्तला की अँगूठी —

अन्धा युग– धर्मवीर भारती किताब महल, इलाहाबाद

एकांकी संचयन– सं० डॉ० रम्भा श्रीवास्तव, प्रो० राजेन्द्र कुमार, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद

अनुमोदित ग्रंथ–

1. हिन्दी नाटकः उद्भव और विकास – डॉ० दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली।

2. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना

3. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष– गिरीश रस्तोगी, लोकभारती

4. मोहन राकेश और उनके नाटक– गिरीश रस्तोगी, लोकभारती

5. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश– गोविन्द चातक राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।

6. नाटककार जयशंकर प्रसाद– सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण

7. नाटककार भारतेन्दु की रंगपरिकल्पना– सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण

8. नाटककार जगदीशचन्द्र माथुर– गोविन्द चातक, राधाकृष्ण

9. नाटक सिद्धान्त और प्रयुक्ति – डॉ॰ पूनम कुमारी – निखिल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

9. हिन्दी नाटक के पांच दशक– कुसुम खेमानी

10. हिन्दी एकांकी– सिद्धनाथ कुमार

11. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र– देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल

12. साठोत्तर हिन्दी नाटक – डॉ.बी. नारायण प्रकाश, लोकभारती।

13. हिन्दी नाटक– बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

14. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच– जयदेव तनेजा, तक्षशिला, प्रकाशन, दिल्ली।

15. एकांकीकार अनीसार का यथार्थबोध– सतीश कुमार राय, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

16 हिन्दी समस्या नाटकों की शिल्प विधि– डॉ. [illegible] कुमारी, [illegible] प्रकाशन, इलाहाबाद

MHNBC-II (28)

प्रयोजन मूलक हिन्दी

3×15=45
3×5=15
10×1=10
70

खण्ड–'क'

कामकाजी हिन्दी

1. हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा इत्यादि।

2. राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य– प्रारूपण, पत्रलेखन, टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन।

3. पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप और महत्व, निर्माण के सिद्धांत।

खण्ड–'ख'

हिन्दी कम्प्यूटिंग

1. कम्प्यूटर : परिचय, उपयोग, वेब पब्लिशिंग।

2. इंटरनेट : सम्पर्क उपकरणों का परिचय, इन्टरनेट एक्साइलोड (नेट खोज), लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना और प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट, पोर्टल सोर्सिंग, अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

खण्ड–'ग'

अनुवाद

1. अनुवाद का स्वरूप, प्रकार, महत्व, आदर्श अनुवाद के अभिलक्षण।

2. पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद।

खण्ड–'घ'

राजभाषा एवं जनसंचार

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के क्षेत्र।
2. जनसंचार एवं जनसंपर्क।
3. राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

अनुमोदित ग्रंथ–

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी– विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी– दंगल झाल्टे
3. प्रयोजन मूलक हिन्दी और पत्रकारिता– डॉ० दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. प्रयोजन मूलक हिन्दी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती, प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी– डॉ० माधव सोनटक्के, लोकभारती, प्रकाशन
6. प्रयोजन मूलक हिन्दी– प्रो० रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
7. प्रयोजन मूलक हिन्दी– पी. लता, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार– डॉ० जयन्ती प्रसाद नौटियाल, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. राजभाषा सहायिका– अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

(क) कथेतर गद्य

1. क्या भूलूँ क्या याद करूँ– बच्चन, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
2. आवारा मसीहा– विष्णु प्रभाकर
3. पथ के साथी– महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. पुण्डरीक– श्यामनन्दन किशोर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. आग की धरती – डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
6. ऋणजल धनजल– फणीश्वर नाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. निबन्ध– प्रस्तावित निबन्ध– आप, मजदूरी और प्रेम, कविता क्या है, अशोक के फूल, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, रस आखेटक, मन्दिर और राजभवन, गेहूँ और गुलाब, मैं हज्जाम हूँ लाला, सदाचार का ताबीज।

प्रताप नारायण मिश्र, सरदार पूर्ण सिंह, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ० विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय, दिनकर बेनीपुरी, आचार्य शिवपूजन सहाय, आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, हरिशंकर परसाई

अनुमोदित ग्रंथ–

1. वाङ्मय विमर्श– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. साहित्यिक विधाएँ : रूपात्मक विकास– डॉ० बैजनाथ सिंहल, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
3. आत्मकथा की संस्कृति– पंकज– चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. आत्मकथा और उपन्यास– ज्ञानेन्द्र कुमार, सन्तोष, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

♣♣♣♣♣